कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (64) खण्ड - {127}

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- औरों के मन के भावों को जानने के लिए -

A- सदा मनमनाभव की स्थिति में रहो।

B- ज्ञान मूर्त, याद मूर्त और सर्व दिव्य गुण मूर्त बनो।

C- उड़ती कला में स्थित रहने का अभ्यास बढ़ाते चलो।

D- परखने की शक्ति बढ़ाओ।

प्रश्न 2- हर एक चित्र पर क्या लिखा हुआ हो ?

A- गीता के भगवान शिव

B- ओम शांती

C- त्रिमूर्ति शिव

D- शिव भगवानुवाच

प्रश्न 3- सब कुछ किस के अनुसार ही चलता है ?

A- भगवान

B- ड्रामा

C- कर्म

D- संकल्प

प्रश्न 4- होलीएस्ट ऑफ होली है -

A- मधुबन

B- पाण्डव भवन

C- परमधाम

D- शिवबाबा

प्रश्न 5- वायुमण्डल को पावरफुल बनाने का साधन है -

A- अपने अव्यक्त स्वरूप की साधना

B- तपस्या

C- व्यर्थ बातों से परे हो जाना

D- मनसा सेवा

प्रश्न 6- कौन भारत के मोस्ट वैल्युबुल सर्वेन्ट है ?

A- हम ब्राह्मण बच्चे

B- शिवबाबा

C- त्रिमूर्ति

D- मम्मा बाबा

प्रश्न 7- सर्व शक्तिमान् बाप को प्रत्यक्ष करने के लिए कौन सी शक्ति को बढ़ाओ ?

A- एकाग्रता

B- फरिश्ता

C- साक्षीद्रष्टा

D- अन्तर्मुखता

प्रश्न 8 - सबसे बड़ी मंजिल क्या है ?

A- निर्विकारी बनना

B- देह सहित और कोई भी याद न रहे,

C- आत्मा समझ आत्मा भाई-भाई को देखना

D- बाप समान बनना

प्रश्न 9- .....बनने में ही बड़ी मेहनत लगती है ?

A- देही-अभिमानी

B- देवता

C- नॉलेजफुल

D- कर्मयोगी

प्रश्न 10- व्यभिचारी पूजा है -

A- 5 तत्वों की पूजा

B- शरीर की पूजा

C- लक्ष्मी-नारायण पूजा

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 11- कौन सी प्रैक्टिस करनी है, इसी को ही कर्मातीत अवस्था कहा जाता है ?

A- अभी-अभी शरीर में आये फिर अभी- अभी अशरीरी बन गये,

B- न्यारेपन का अनुभव करो

C- चलते-फिरते फरिश्तेपन के साक्षात्कार करो

D- किसी भी कर्म का बोझ न हो

प्रश्न 12- सबसे बड़ा पुण्य है -

A- आत्माओं को घर का रास्ता बताना,

B- तन-मन-धन दूसरों की सेवा में लगाना,

C- बाप का परिचय देना,

D- बाप को याद करना और दूसरों को भी याद दिलाना

प्रश्न 13- वर्तमान समय मनन शक्ति से आत्मा में सर्व शक्तियाँ भरने की आवश्यकता है तभी -

A- मगन अवस्था रहेगी और विघ्न टल जायेंगे।

B- प्रत्यक्षता होगी

C- विश्व कल्याणकारी बन सकेंगे

D- विनाश होगा

प्रश्न 14- पिछाड़ी में आने वाले जो ऊंच पद पायेंगे, उसका आधार क्या होगा ?

A- याद

B- ज्ञान

C- धारणा

D- सेवा

प्रश्न 15- तुम बच्चे जानते हो यह अनादि बना बनाया ड्रामा है। यह हार जीत का खेल है। जो होता है वह ठीक है। यह ड्रामा जरूर किस को पसन्द होगा ?

A- मनुष्य को

B- आत्माओं को

C- क्रियेटर को

D- पार्टधारी को

प्रश्न 16- कौन सा अभ्यास ही नम्बर आगे आने का आधार है ?

A- स्व सेवा और विश्व सेवा साथ साथ

B- सकाश देने का

C- लाइट हाउस, माइट हाउस बनने का

D- अशरीरी स्थिति का अनुभव

भाग (64) खण्ड {127} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1 - *A.सदा मनमनाभव की स्थिति में रहो*

औरों के मन के भावों को जानने के लिए सदा मनमनाभव की स्थिति में स्थित रहो।

उत्तर 2 - *D.शिव भगवानुवाच*

हर एक चित्र पर शिव भगवानुवाच लिखा हुआ हो। इससे घड़ी-घड़ी शिवबाबा याद आयेगा। ज्ञान भी देते रहेंगे। म्युज़ियम अथवा प्रदर्शनी की सर्विस में ज्ञान और योग दोनों इकट्ठे चलते हैं। याद में रहने से नशा चढ़ेगा। तुम पावन बन सारे विश्व को पावन बनाते हो

उत्तर 3 - *B.ड्रामा*

ऊंच ते ऊंच बाप का कर्तव्य भी ऊंच है। ऐसे नहीं, ईश्वर तो समर्थ है, जो चाहे सो करे। नहीं, यह भी ड्रामा अनादि बना हुआ है। *सब कुछ ड्रामा अनुसार ही चलता है*। लड़ाई आदि में कितने मरते हैं। यह भी ड्रामा में नूंध है।

उत्तर 4 - *D.शिवबाबा*

बाप युक्तिबाज़ तो है ना। नहीं तो यह टॉवर ऑफ साइलेन्स, *होलीएस्ट ऑफ होली टॉवर है, जहाँ होलीएस्ट ऑफ होली बाप सारे विश्व को बैठ होली बनाते

हैं।* यहाँ कोई पतित आ न सके। परन्तु बाप कहते हैं मैं आया ही हूँ सभी पतितों को पावन बनाने, इस खेल में मेरा भी पार्ट है।

उत्तर 5 - *A.अपने अव्यक्त स्वरूप की साधना*

वायुमण्डल को पावरफुल बनाने का साधन है अपने अव्यक्त स्वरूप की साधना। इसका बार-बार अटेन्शन रहे क्योंकि जिस बात की साधना की जाती है, उसी बात का ध्यान रहता है। तो अव्यक्त स्वरूप की साधना अर्थात् बार-बार अटेन्शन की तपस्या

उत्तर 6 - *A.हम ब्राह्मण बच्चे*

“मीठे बच्चे - *तुम ब्राह्मण बच्चे भारत के मोस्ट वैल्युबुल सर्वेन्ट हो,* तुम्हें अपने तन-मन-धन से श्रीमत पर इसे रामराज्य बनाना है"

उत्तर 7 - *A.एकाग्रता*

स्लोगन:- *सर्व शक्तिमान् बाप को प्रत्यक्ष करने के लिए एकाग्रता की शक्ति को बढ़ाओ।*

उत्तर 8 - *B.देह सहित और कोई भी याद न रहे*

जो बच्चे अपनी कुछ न कुछ उन्नति करते हैं तो चढ़ पड़ते हैं। सरेन्डर होते ही हैं गरीब। *देह सहित और कोई भी याद न रहे, बड़ी मंजिल है।* अगर सम्बन्ध जुटा हुआ होगा तो वह याद जरूर पड़ेंगे।

उत्तर 9 - *A.देही -अभिमानी*

तुम कहते हो हम आत्मा पुरूषार्थ कर स्वर्ग का देवी-देवता बन रही हूँ। अहम् आत्मा, मम शरीर है। *देही-अभिमानी बनने में ही बड़ी मेहनत लगती है*। घड़ी-घड़ी अपने को आत्मा समझ बाप को याद करते रहो तो विकर्म विनाश हो जायें।

उत्तर 10 - *D.उपरोक्त सभी*

श्रीकृष्ण को भी श्याम सुन्दर कहते हैं ना। पुजारी लोग अन्धश्रधालु हैं। कितनी भूत पूजा है। *शरीर की पूजा, गोया 5 तत्वों की पूजा हो गई। लक्ष्मी-नारायण की पूजा करते हैं, मन्दिर बनाते हैं, समझते कुछ भी नहीं। इसको कहा जाता है - व्यभिचारी पूजा।*

उत्तर 11 - *A.अभी-अभी शरीर में आये फिर अभी-अभी अशरीरी बन गये*

जैसे एक सेकेण्ड में स्वीच आन और आफ किया जाता है, ऐसे ही एक सेकेण्ड में शरीर का आधार लिया और फिर एक सेकेण्ड में शरीर से परे अशरीरी स्थिति में स्थित हो जाओ। *अभी-अभी शरीर में आये फिर अभी-अभी अशरीरी बन गये, यह प्रैक्टिस करनी है, इसी को ही कर्मातीत अवस्था कहा जाता है।*

उत्तर 12- *D. बाप को याद करना और दूसरों को भी याद दिलाना*

बाबा ने तुम बच्चों को पुण्य और पाप की गहन गति भी समझाई है। पुण्य क्या है और पाप क्या है! *सबसे बड़ा पुण्य है - बाप को याद करना और दूसरों को भी याद दिलाना।*

उत्तर 13 - *A.मगन अवस्था रहेगी और विघ्न टल जायेंगे*

वर्तमान समय मनन शक्ति से आत्मा में सर्व शक्तियाँ भरने की आवश्यकता है तब मगन अवस्था रहेगी और विघ्न टल जायेंगे। विघ्नों की लहर तब आती है जब रूहानियत की तरफ फोर्स कम हो जाता है।

उत्तर 14 - *A.याद*

बच्चे अच्छी रीति याद करते हैं तो बाप की भी याद से याद मिलती है। याद से बच्चे बाप को खींचते हैं। *पिछाड़ी में आने वाले जो ऊंच पद पाते, उसका आधार भी याद है।*

उत्तर 15 - *C.क्रिएटर को*

तुम बच्चे जानते हो यह अनादि बना बनाया ड्रामा है। यह हार जीत का खेल है। जो होता है वह ठीक है। क्रियेटर को ड्रामा जरूर पसन्द होगा ना। तो क्रियेटर के बच्चों को भी पसन्द होगा।

उत्तर 16 - *D.अशरीरी स्थिति का अनुभव*

स्लोगन:- *अशरीरी स्थिति का अनुभव व अभ्यास ही नम्बर आगे आने का आधार है।*

कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (64) खण्ड - {128}

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- वर्तमान समय ब्रह्मा बाप के कौन से रूप का पार्ट चल रहा है ?

A- सच्चे स्नेही

B- सहयोग का

C- अव्यक्त रूप का

D- हजार भुजा वाले

प्रश्न 2- टीचर का काम है शिक्षा देना और गुरु का काम है मंजिल बताना। मंजिल है -

A- विश्व की राजाई मिलना

B- स्वर्ग

C- मुक्तिधाम

D- मुक्ति जीवनमुक्ति की

प्रश्न 3-.....करने से मनुष्य को खुशी होती है ?

A- दान

B- याद

C- अच्छे कर्म

D- सच्ची सेवा

प्रश्न 4- अलग पर्याय (समानार्थक शब्द) का चुनाव कीजिए ?

A- आदि सनातन देवी-देवता धर्म

B- इस्लाम धर्म

C- बौद्ध धर्म

D- क्रिश्चियन धर्म

प्रश्न 5- जिनके कर्म श्रेष्ठ हैं, उनकी निशानी क्या होगी ?

A- ज्ञान की धारणा होगी।

B- स्नेही और सहयोगी होंगे।

C- उनके द्वारा किसी को भी दुःख नहीं पहुँचेगा।

D- सदा खुशी में रहेंगे।

प्रश्न 6- निराकारी दुनिया से कौन कौन रूप बदलकर यहाँ आकर साकार बनते हैं ?

A- शिवबाबा

B- हम आत्मायें

C- सब धर्म स्थापक की आत्मायें

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 7- वास्तव में हनुमान का मिसाल कब का है ?

A- संगमयुग का

B- त्रेतायुग का

C- द्वापर का

D- कलियुग

प्रश्न 8- खुशी उनको होगी जो -

A- निर्माणचित्त होंगे।

B- निश्चय करे कि मैं आत्मा हूँ।

C- सारा दिन सर्विस करते रहेंगे।

D- बाबा को कोई समाचार दे।

प्रश्न 9- भारत को मदरकन्ट्री कहते हैं, क्योंकि -

A- बाबा माताओं पर ही कलष रखते हैं।

B- अम्बा का नाम बहुत बाला है।

C- शिवबाबा भारत में आते हैं।

D- माता बहुत हैं।

प्रश्न 10- कब साधारण कर्म अलौकिक कर्म में बदल जायेंगे ?

A- डबल लाइट बने तो।

B- करनकरावनहार की स्मृति में रहने से।

C- सदैव यही स्मृति में रहे कि अवतरित होकर अवतार बन करके श्रेष्ठ कर्म करने के लिए आये हैं।

D- आत्मिक दृष्टि-वृत्ति से करने से।

प्रश्न 11- जो अच्छे गुणवान बच्चे हैं उनकी मुख्य निशानियां क्या होंगी ?

A- वह कांटों को फूल बनाने की अच्छी सेवा करेंगे।

B- किसी को भी कांटा नहीं लगायेंगे, कभी भी आपस में लडेंगे नहीं।

C- किसी को भी दुःख नहीं देंगे

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 12- बाप कहते हैं कि मेरे डायरेक्शन पर चलने से -

A- फिर मैं रेसपॉन्सिबुल हूँ

B- देवता बनेंगे

C- आधाकल्प रेसपॉन्सिबुल हूँ

D- बेड़ा पार हो जायेगा

प्रश्न 13- चलते-फिरते बाप को याद करना है क्योंकि -

A- बाप की डायरेक्शन है।

B- श्रीमत है।

C- पापों का बोझा कैसे उतरेगा।

D- कर्मयोगी हैं।

प्रश्न 14- दुख-सुख से न्यारे कौन हैं ?

A- महतत्व मे आत्मायें रहती है

B- सतयुग में

C- शिवबाबा

D- A और C

E- A,B और C

प्रश्न 15- सही क्रम पहचानिए ?

A- ईश्वरीय सन्तान- दैवी सन्तान - आसुरी सन्तान

B- आसुरी सन्तान- ईश्वरीय सन्तान- दैवी सन्तान

C- दैवी सन्तान- आसुरी सन्तान- ईश्वरीय सन्तान

D- उपरोक्त सभी क्रम सही

प्रश्न 16- रावण क्या है, उसको जलाते क्यों हैं, यह भी कोई नहीं जानते। आप जानते हो क्यों जलाते हैं ?

A- आधाकल्प राज्य करता है

B- विकार है

C- दुःख देता है

D- दुश्मन है

भाग (64) खण्ड {128} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- *D.हज़ार भुजा वाले*

वर्तमान समय हजार भुजा वाले ब्रह्मा बाप के रूप का पार्ट चल रहा है। जैसे आत्मा के बिना भुजा कुछ नहीं कर सकती, वैसे बापदादा के बिना भुजा रूपी बच्चे कुछ नहीं कर सकते। हर कार्य में पहले बाप का सहयोग है।

उत्तर 2 - *D.मुक्ति जीवनमुक्ति की*

रूहानी बाप अभी तुम बच्चों से रूहरिहान कर रहे हैं, शिक्षा दे रहे हैं। *टीचर का काम है शिक्षा देना और गुरू का काम है मंजिल बताना। मंजिल है मुक्ति जीवनमुक्ति की*। मुक्ति के लिए याद की यात्रा बहुत जरूरी है और जीवनमुक्ति के लिए रचना के आदि मध्य अन्त को जानना जरूरी है।

उत्तर 3 - *A.दान*

दान करने से मनुष्य को खुशी होती है। समझते हैं इसने आगे जन्म में दान-पुण्य किया है तब अच्छा जन्म मिला है। कोई भक्त होते हैं, समझेंगे हम भक्त अच्छे भक्त के घर में जाकर जन्म लेंगे।

उत्तर 4 - *A.आदि सनातन देवी-देवता धर्म*

आदि सनातन देवी-देवता धर्म की स्थापना होती है, बाकी और सब धर्म इस्लाम, बौद्ध, क्रिश्चियन धर्म विनाश हो जायेंगे। सतयुग में बरोबर एक ही धर्म था। वह

हिस्ट्री-जॉग्राफी जरूर फिर से रिपीट होनी है। फिर से स्वर्ग की स्थापना होगी। जिसमें लक्ष्मी-नारायण का राज्य था, परिस्तान था, अभी तो कब्रिस्तान है।

उत्तर 5- *C.उनके द्वारा किसी को भी दु:ख नही पहुंचेगा*

हम अपने परमपिता परमात्मा की श्रीमत पर इस भारत को फिर से श्रेष्ठ ते श्रेष्ठ बनाते हैं, तो खुद को भी बनना पड़े। अपने को देखना है कि हम श्रेष्ठ बने हैं? कोई भ्रष्टाचार का काम कर किसको दु:ख तो नहीं देते हैं? *जिनके कर्म श्रेष्ठ हैं उनके द्वारा किसी को भी दु:ख नहीं पहुँचेगा।* जैसे बाप दु:ख हर्ता सुख कर्ता है, ऐसे श्रेष्ठ कर्म करने वाले भी दु:ख हर्ता सुख कर्ता होंगे।

उत्तर 6- *D.उपरोक्त सभी*

आपेही अपना-अपना हिसाब निकालेंगे। सबको इस चक्र और झाड़ पर समझाना है। *क्राइस्ट कब आया?

इतना समय वह आत्मायें कहाँ रहती हैं? जरूर कहेंगे निराकारी दुनिया में हैं। हम आत्मायें रूप बदलकर यहाँ आकर साकार बनते हैं। बाप को भी कहते हैं ना - आप भी रूप बदल साकार में आओ।* आयेंगे तो यहाँ ना।

उत्तर 7- *A.संगमयुग का*

हनुमान का मिसाल है ना - जहाँ सतसंग होता था, वहाँ जुत्तियों में जाकर बैठता था। तुमको भी चांस लेना चाहिए। *वास्तव में हनुमान का मिसाल है संगमयुग का,* तुम कहाँ भी सतसंग आदि में जाकर मिक्स हो बैठ सकते हो। सर्विस की अनेक युक्तियाँ हैं, रामायण, भागवत आदि की भी बहुत बातें हैं, जिस पर तुम दृष्टि दे सकते हो।

उत्तर 8- *C.सारा दिन सर्विस करते रहेंगे*

अज्ञान भक्ति को कहा जाता है। ज्ञान का सागर तो बाप ही है। जो बहुत भक्ति करते हैं, वह भक्ति के सागर

हैं। भक्त माला भी है ना। भक्त माला के भी नाम इकट्ठे करने चाहिए। भक्त माला द्वापर से कलियुग तक ही होगी। बच्चों को बहुत खुशी रहनी चाहिए। *बहुत खुशी उनको होगी जो सारा दिन सर्विस करते रहेंगे।*

उत्तर 9- *B.अम्बा का नाम बहुत बाला है*

भारत को मदरकन्ट्री कहते हैं क्योंकि अम्बा का नाम बहुत बाला है। अम्बा के मेले भी बहुत लगते हैं, अम्बा मीठा अक्षर है। छोटे बच्चे भी माँ को प्यार करते हैं ना क्योंकि माँ खिलाती, पिलाती सम्भालती है। अब अम्बा का बाबा भी चाहिए ना। यह तो बच्ची है एडाप्टेड। पति तो है नहीं। यह नई बात है ना।

उत्तर 10- *C.सदैव यही स्मृति में रहे कि अवतरित होकर अवतार बन करके श्रेष्ठ कर्म करने के लिए आये हैं*

जैसे बाप साधारण तन लेते हैं, जैसे आप बोलते हो वैसे ही बोलते हैं, वैसे ही चलते हैं तो कर्म भल साधारण

है, लेकिन स्थिति ऊंची रहती है। ऐसे आप बच्चों की भी स्थिति सदा ऊंची हो। डबल लाइट बन ऊंची स्थिति में स्थित हो कोई भी साधारण कर्म करो। *सदैव यही स्मृति में रहे कि अवतरित होकर अवतार बन करके श्रेष्ठ कर्म करने के लिए आये हैं। तो साधारण कर्म अलौकिक कर्म में बदल जायेंगे।*

उत्तर 11- *D.उपरोक्त सभी*

जो अच्छे गुणवान बच्चे हैं, वह कांटों को फूल बनाने की अच्छी सेवा करेंगे। किसी को भी कांटा नहीं लगायेंगे, कभी भी आपस में लड़ेंगे नहीं। किसी को भी दु:ख नहीं देंगे। दु:ख देना भी कांटा लगाना है।

उत्तर 12- *A.फिर मैं रेस्पॉन्सिबुल हूं*

तुम आधाकल्प आसुरी डायेरक्शन पर चलते आये हो, अब ऐसे निश्चय करो कि हम ईश्वरीय डायरेक्शन पर चलते हैं तो बेड़ा पार हो सकता है। अगर ईश्वरीय

डायरेक्शन न समझ मनुष्य का डायरेक्शन समझा तो मूंझ पड़ेंगे। *बाप कहते हैं - मेरे डायरेक्शन पर चलने से फिर मैं रेसपॉन्सिबुल हूँ ।*

उत्तर 13- *C.पापों का बोझा कैसे उतरेगा*

चलते-फिरते बाप को याद नहीं करेंगे तो पापों का बोझा कैसे उतरेगा? आधाकल्प का बोझा है। इसमें ही बड़ी मेहनत है। अपने को आत्मा समझो और बाप को याद करो। भल बाबा को बहुत बच्चे लिख भेजते हैं - इतना समय याद में रहा परन्तु याद रहती नहीं है। चार्ट को समझते ही नहीं हैं।

उत्तर 14- *C.शिवबाबा*

तुम आत्मायें जहाँ रहती हो वह है तुम आत्माओं और बाबा का देश। फिर तुम स्वर्ग में जाते हो, जिसकी बाबा स्थापना कराते हैं। *बाप खुद उस स्वर्ग में नहीं आते। खुद तो वाणी से परे वानप्रस्थ में जाकर रहते हैं।

स्वर्ग में उनकी दरकार नहीं। वह तो दु:ख-सुख से न्यारे हैं ना।* तुम तो सुख में आते हो, तो दु:ख में भी आते हो।

उत्तर 15- *B.आसुरी सन्तान- ईश्वरीय सन्तान- दैवीय सन्तान*

बच्चों को आपस में लड़ना-झगड़ना भी नहीं चाहिए। *इस समय तुम जानते हो हम ईश्वरीय सन्तान हैं, पहले आसुरी सन्तान थे, फिर अब संगम पर ईश्वरीय सन्तान बने हैं, फिर सतयुग में दैवी सन्तान होंगे।* यह चक्र का बच्चों को मालूम पड़ा है।

उत्तर 16- *B.विकार है*

रावण क्या है, उसको जलाते क्यों हैं, यह भी कोई नहीं जानते। शिवबाबा को भी नहीं जानते। जैसे देवियों को सजा करके, पूजा करके डुबोते हैं, शिवबाबा का भी मिट्टी का लिंग बनाए पूजा आदि कर फिर मिट्टी, मिट्टी में मिला देते हैं, वैसे रावण को भी बनाकर फिर जला देते हैं।

समझते कुछ भी नहीं। *तुम जानते हो 5 विकार जो कि इस समय सर्वव्यापी हैं, उनको ही रावण कहा जाता है।*